सांध्य दैनिक 4PM

इंतजार करने वाले को उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।
-एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 247 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 14 अक्टूबर, 2023

पंजाबियों को बांट रहे हैं सीएम .. 2 | शिवराज सरकार को उखाड़ें... 3 | शिवराज सरकार का भ्रष्टाचार... 7

गुजरात में पाक टीम के स्वागत से भाजपा पर विपक्ष आगबबूला

राउत बोले - ऐसा तो गुजरात में ही हो सकता है, ठाकरे को मानने वाले कर रहे ढोंग, अन्य दलों ने भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में विश्वकप में आज भारत-पाक का मैच चल रहा है। खेल के मैदान पर दोनों टीमें एक दूसरे को पटखनी देने के लिए भिड़ रही है। वहीं देश के सियासी मैदान पर नेताओं का वार-पलटवार भी शुरू हो गया है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने पाकिस्तानी टीम के स्वागत की शेयर हो रही वीडियो पर भाजपा को घेरा है, उन्होंने कहा कि ऐसा सिर्फ गुजरात में ही हो सकता है। अन्य विक्षी पार्टियों ने भी भाजपा की सरकार पर सवाल उठाए हैं। उधर हमास-इजरायल युद्ध पर भी पक्ष व सत्तापक्ष में बहस जारी है।

राउत ने बाल ठाकरे का जिक्र करते हुए, कहा कि दिवंगत राजनेता ने पाकिस्तान टीम को (महाराष्ट्र में खेलने से) रोक दिया था क्योंकि हमारे सैनिकों, कश्मीरी पंडितों की हत्या हो रही थी। पर आज क्या हो रहा है ये सब सामने है। गौरतलब हो कि भारत और पाकिस्तान आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

गर्मजोशी से स्वागत किसी और राज्य में होता तो मचता हंगामा : संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भारत के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के गर्मजोशी से स्वागत के वायरल दृश्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा, यह केवल गुजरात में ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा किसी अन्य राज्य में होता तो पार्टी हल्ला मचा देती। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम का गुजरात में आकर भव्य स्वागत हो सकता है। ऐसा देश में सिर्फ गुजरात में ही हो सकता है। अगर किसी दूसरे राज्य में ऐसा होता तो बीजेपी के लोग हंगामा मचा देती। भाजपा हमें सिखाने की कोशिश करती है लेकिन अब वे इसके लिए जिम्मेदार हैं। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का जिक्र करते हुए, राउत ने कहा कि दिवंगत राजनेता ने पाकिस्तान टीम को (महाराष्ट्र में खेलने से) रोक दिया था क्योंकि हमारे सैनिकों, कश्मीरी पंडितों की हत्या हो रही थी।

भाजपा ने बाल ठाकरे के आदर्शों का पालन नहीं किया

राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बाल ठाकरे के नाम पर महाराष्ट्र में सरकार बनाई लेकिन उनके आदर्शों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाला साहेब ठाकरे ने अपने समय में पाकिस्तान टीम को रोका क्योंकि हमारे सैनिकों की हत्या हो रही थी। हमारे कश्मीरी पंडितों की हत्या हो रही थी, इसलिए बाला साहेब ठाकरे ने कहा था कि हम पाकिस्तान नहीं आने देंगे, लेकिन बाला साहेब ठाकरे के नाम पर बीजेपी ने महाराष्ट्र में सरकार बनाई। जब राजनीतिक फायदा होता है तो बीजेपी वाले उनका नाम लेते हैं। बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कई मौकों पर भारत-पाकिस्तान मैच रोका। उनका विचार था कि जब तक पाक सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं करता तब तक क्रिकेट मैच नहीं हो सकते। भाजपा ने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार को गिराने के बाद पूर्व ठाकरे वफादार एकनाथ शिंदे की मदद से सरकार बनाई, जिन्होंने शिवसेना विधायकों के विद्रोह का नेतृत्व किया था। शिंदे ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना बाल ठाकरे द्वारा निर्धारित राजनीतिक रास्ते से भटक गई है।

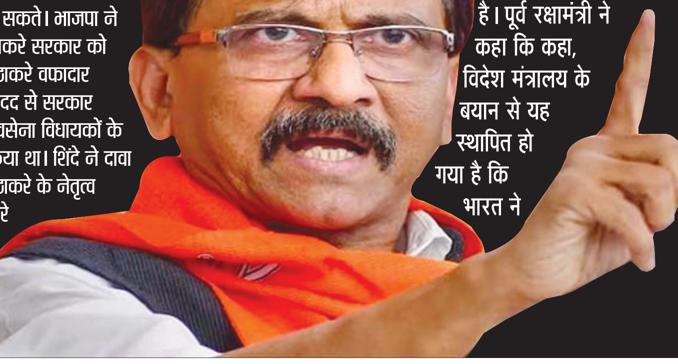

प्रियंका के साथ सोनिया गांधी चेन्नई में, बीजेपी को घेरने की तैयारी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी चेन्नई पहुंचे हैं। यहां वे द्रमुक महिला अधिकार सम्मेलन में शामिल होंगी। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी का स्वागत करने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन हवाई अड्डे पहुंचे। सीएम के अलावा, डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि और टीआर बालू भी हवाईअड्डे पर मौजूद थे। तमिलनाडु सीएम स्टालिन की अध्यक्षता में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डाला जाएगा। डीएमके उप महासचिव के कनिमोझी ने सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की प्रमुख महिला नेताओं को आमंत्रित किया है। सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने खुद सीएम सभास्थल नंदनम वाईएमसीए मैदान पहुंचे। तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के अलावा, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती सहित विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल पार्टियों की कई महिला नेताएं भी चेन्नई पहुंची हैं।

हमास-इजराइल संघर्ष पर पीएम व विदेशमंत्री के रुख अलग-अलग : पवार

हमास-इजराइल संघर्ष पर प्रधानमंत्री मोदी का रुख व विदेश मंत्रालय के बयान को लेकर राकांपा प्रमुख शरद पवार ने सवालिया निशान उठाया है। पूर्व रक्षामंत्री ने कहा कि कहा, विदेश मंत्रालय के बयान से यह स्थापित हो गया है कि भारत ने हमेशा फलस्तीन मुद्दे का समर्थन किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे, लेकिन हम ऐसे किसी भी संगठन के खिलाफ हैं जो (आतंकवादी) हमलों में शामिल है। प्रधानमंत्री (मोदी) ने इजराइल के प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया है कि हम उनके साथ हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि हमास-इजराइल युद्ध पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा व्यक्त की गई स्थिति से अलग स्थिति दर्शाते हैं। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि भारत सरकार ने 100 फीसदी इजराइल का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि इजराइल-फलस्तीन मुद्दा गंभीर और संवेदनशील है और मुस्लिम देशों जैसे अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य के विचारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पवार ने कहा, यह पहली बार है कि राष्ट्र के मुखिया ने एक रुख अपनाया है और उनके मंत्रालय ने दूसरा।

सरकार की असली समीक्षा तो चुनावों में जनता करेगी : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- दोनों डिप्टी सीएम को काम नहीं करने दे रहे हैं मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि दोनों उप मुख्यमंत्रियों को मुख्यमंत्री काम नहीं करने दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हर तरफ अत्याचार व अन्याय है, जिसकी समीक्षा सरकार के करने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला, क्योंकि अब असली समीक्षा आने वाले चुनाव में जनता करेगी। अखिलेश यादव प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर कश्यप, निषाद, बिंद और मछुआ समाज के कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के अपनी एक्स (पहले ट्वीटर) हैंडल पर नाम से पहले सर्वेंट जोड़े जाने संबंधी सवाल पर अखिलेश ने कहा कि पहले यह देख लिया जाए कि यह एक्स हैंडल बृजेश पाठक खुद चला रहे हैं या कोई और। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम सही मायने में पब्लिक सर्वेंट (सरकारी नौकर) बन कर दिखाएं। आज स्थिति यह है कि उनके मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ठप हो चुकी हैं। अखिलेश ने कहा कि सही बात तो यह है कि इस सरकार में किसी भी मंत्री पर काम नहीं है। मुख्यमंत्री किसी को काम नहीं दे रहे है। अखिलेश ने कहा कि हम तो मंत्रियों का ही दर्द रख रहे हैं और इससे वे अंदर ही अंदर खुश भी होंगे। उन्होंने जमीनी विवाद में देवरिया में हुई हत्याओं के लिए सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा भाजपा के ही भीतर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते इस मामले को हवा दी गई। भाजपा का आंतरिक सर्वे हुआ, जिसमें किसी के टिकट कटने की बात आई तो दूसरे दावेदार ने यह मुद्दा उठाने में अपना हित समझा। बुंदेलखंड में पीएम ने मिसाइल बनाए जाने की बात कही थी, कम से कम दीवाली पर सुतली बम ही बना दें। अखिलेश ने कहा कि यूपी में न तो आलू खरीदा गया और न ही धान खरीद हो रही है। यह सरकार उद्योगपतियों की है। गोरखपुर में नशीले पदार्थ पकड़े जाने पर कहा कि आखिर यह कहां भेजा जा रहा था।

बिंद-कश्यप समाज को तो नहीं मिला नियुक्ति पत्र

अखिलेश ने कहा कि सीएम नियुक्ति के प्रमाणपत्र बांट रहे हैं, लेकिन बिंद, मछुआ और कश्यप समाज के एक भी व्यक्ति को यह नहीं मिला। अखिलेश ने कहा कि उम्मीद है कि वर्ष 2024 का चुनाव आते-आते भाजपा भी जातीय जनगणना का आश्वासन दे सकती है।

भाजपा अपने देश की महंगाई पर बात नहीं करती

निषाद कश्यप समाज की बैठक में अखिलेश यादव ने इस्राइल के मुद्दे पर कहा कि समाजवादी किसी भी तरह के युद्ध के खिलाफ हैं। किसी के भी साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। यह हमारी बहुत पुरानी नीति है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दोनों डिप्टी सीएम को सीएम काम नहीं करने दे रहे हैं। यही उनका दर्द है जिसे हमने सामने रख दिया। भाजपा इस्राइल के झंडे लगा रही है, लेकिन महंगाई पर बात नहीं करती।

मुख्यमंत्री रह चुके व्यक्ति का ऐसा व्यवहार अशोभनीय : चौधरी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर दिए बयान को निंदनीय बताया है। चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता के लिए यह कोई नई बात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में ब्रजेश पाठक यूपी के वरिष्ठ नेता हैं। वह पिछली सरकार में मंत्री भी रहे हैं। इससे पहले सांसद भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति के लिए राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके व्यक्ति का ऐसा व्यवहार अशोभनीय और निंदनीय है।

निषाद समाज का भला करने के नाम पर संजय निषाद ने कुछ नहीं किया : रुक्मणी

बैठक में फूलन देवी की बहन रुक्मणी देवी ने संजय निषाद पर तमाम आरोप लगाते हुए कहा कि निषाद समाज का भला करने के नाम पर संजय निषाद ने समाज की महिलाओं की पायल तक बेच डाली। उन्होंने कहा कि केवट समाज का अगर किसी ने सम्मान किया है तो मुलायम सिंह यादव ने किया है। फूलन देवी को अगर सम्मान दिलाया है तो मुलायम सिंह यादव ने दिलाया है। उन्होंने कहा कि संजय निषाद ने समाज के नाम पर सिर्फ समाज के लोगों को लूटने का काम किया है। समाज के दम पर पार्टी बनाई और पत्नी, बेटे और खुद का भला किया। संजय निषाद भारतीय जनता पार्टी की कठपुतली के तौर पर काम कर रहे हैं। संजय निषाद समाज का भला नहीं करना चाहते हैं।

जल्द छोड़ दूंगा बीजेपी : नारायण

हाईकमान से हैं नाराज, कांग्रेस में जाने की अटकलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैहर। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगा है। मैहर से भाजपा के विधायक नारायण त्रिपाठी ने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। त्रिपाठी काफी समय से भाजपा हाईकमान से नाराज चल रहे थे। कयास लगाए जा रहे हैं कि नारायण त्रिपाठी जल्द ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। नारायण त्रिपाठी ने शुक्रवार को विधानसभा और बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को इस्तीफा भेजा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को भी त्यागपत्र भेजा है। इस्तीफे के बाद उन्होंने कहा कि वह आगे की रणनीति जल्द तय करेंगे। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर को मैहर जाऊंगा। उसके

बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। दरअसल, नारायण त्रिपाठी पिछले कई वर्षों से पृथक विंध्य प्रदेश बनाने की मांग कर रहे थे। अलग प्रदेश बनाने की मांग को लेकर पार्टी हाईकमान और सीएम शिवराज को लेकर वह मुखर भी थे। उन्होंने विंध्य प्रदेश के लिए अलग पार्टी गठित करने का भी ऐलान किया था। ऐसे में भाजपा ने इस बार नारायण त्रिपाठी की जगह मैहर से श्रीकांत चतुर्वेदी को अपना उम्मीदवार बना दिया।

संजय सिंह राजनीतिक बयान न दें: जज

अदालत बोली- ये कोर्ट है भाषण की जगह नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार आप सांसद संजय सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी के दौरान प्रधानमंत्री, गौतम अदाणी और ईडी के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। अदालत ने उन्हें राजनीतिक भाषण देने पर आगाह किया। इसके बावजूद वे चुप नहीं हुए तो अदालत ने चेतावनी दी कि पुनः ऐसा होने पर उनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिग से होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष संजय सिंह का रिमांड खत्म होने पर पेश किया गया।

इससे पहले उन्होंने पेशी के लिए ले जाते वक्त मीडिया से कहा कि आखिर अदाणी के घोटालों की जांच कब होगी। संजय सिंह ने अदालत से कहा कि ईडी उनसे

मामले के बारे में कुछ नहीं पूछ रही बल्कि मां से पैसे क्यों लिए, पत्नी को पैसे क्यों भेजे। ईडी एंटरटेनमेंट बन गई है। अदालत ने ईडी का आग्रह स्वीकार करते हुए संजय सिंह को 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मंगलवार को ईडी ने न्यायाधीश नागपाल से इस आधार पर उनकी आगे की हिरासत की मांग की थी कि मामले से संबंधित ईडी के कुछ गोपनीय दस्तावेज के अधिग्रहण के स्रोत के संबंध में उनका व्यवहार पूरी तरह से असहयोगात्मक था। अन्य आधार जिन पर ईडी ने उसकी हिरासत की मांग की थी, वह यह था कि उसने उक्त नंबर और सह-अभियुक्त अमित अरोड़ा के नंबर के बीच आने वाली कॉल के संबंध में अपने मोबाइल नंबर के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) को स्वीकार करने या उस पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था।

14 दिन की रिमांड पर तिहाड़ जेल भेजे गए आप सांसद

जानकारी के लिए बता दें कि अदालत ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को आबकारी नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सांसद की तीन दिन की ईडी हिरासत अवधि समाप्त होने पर शुक्रवार को उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष पेश किया गया। ईडी ने अदालत को बताया कि आरोपी से पूछताछ पूरी हो गई है लेकिन मामले की जांच जारी है। ऐसे में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाए।

पंजाबियों को बांट रहे हैं सीएम मान : चंदूमाजरा

सीएम से लाइव बहस करने से भाजपा के बाद अब शिअद का भी किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने भी मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा एक नवंबर को बुलाई गई खुली बहस में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया है। पार्टी के सीनियर नेता प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने इस संबंध में पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए शुक्रवार को कहा कि अकाली दल इस बहस में हिस्सा नहीं लेगा। मुख्यमंत्री मान आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आदेश पर पंजाबियों को विभाजित करने के लिए एक नवंबर को दिखावटी बहस का आयोजन कर रहे हैं और अकाली दल इस पंजाब विरोधी कवायद का हिस्सा नहीं बनेगा।

प्रो. चंदूमाजरा ने कहा कि हमें पता चला है कि केंद्रीय सर्वेक्षण टीम एक नवंबर को पंजाब आएगी। हमारा सारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि ये टीम पंजाब की धरती पर कोई सर्वेक्षण न करे। हम नहर के शुरुआती बिंदु पर कीरतपुर के पास लूंध खड्डु और इसके अंतिम छोर पटियाला जिले के कपूरी गांव में सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर के निर्माण के लिए सर्वे के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे। चंदूमाजरा ने कहा कि भगवंत मान भी पूर्व मुख्यमंत्री दरबारा सिंह की तरह पंजाब के हितों से विश्वासघात करने जा रहे हैं, जो इंदिरा गांधी के दबाव के आगे झुक गए थे और एसवाईएल नहर के निर्माण के लिए सहमत हो गए थे। उन्होंने कहा कि भगवंत मान भी अरविंद केजरीवाल के निर्देश का पालन कर रहे हैं।

'असली' सीएम केजरीवाल से बहस को तैयार : बादल

शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि वह सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर समेत सभी मुद्दों पर राज्य के 'असली' मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ बहस करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहस को जल्द से जल्द निर्धारित किया जा सकता है ताकि पंजाबियों को यह भी पता चल सके कि कैसे केजरीवाल ने भगवंत मान को सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा के साथ नदी के बंटवारे पर पंजाब के मामले को कमजोर करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि नकली मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कोई भी बहस करना एक व्यर्थ अभ्यास होगा, क्योंकि पंजाब में सभी सरकारी मामलों पर निर्णय लेने की शक्ति केवल आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के पास है।

मान सरकार की लापरवाही से नशा घर-घर पहुंचा : वडिंग

फरीदकोट में जिला कांग्रेस कमेटी ने स्थानीय मिनी सचिवालय में नशे समेत अन्य मुद्दों को लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ विशाल रोष धरना दिया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि पंजाब में 15 साल पहले चिट्टे के नशे का दौर शुरू हुआ था और वर्तमान सरकार की लापरवाही के कारण अब यह घर-घर पहुंच चुका है। राज्य सरकार नशा रोकने में विफल साबित हो चुकी है और मूकदर्शक बनी है। कांग्रेस पार्टी जल्द ही नशे के कारण मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को साथ लेकर राज्य भर में यात्रा निकालेगी और नशा खत्म करने के लिए लोगों को एकजुट करेगी। उन्होंने एसवाईएल मुद्दे पर भी आम आदमी पार्टी की सरकार को आड़े हाथों लिया। धरने को पूर्व मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, सीनियर नेता भारत भूषण आशु, विधायक प्रगट सिंह, तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा ने संबोधित किया।

शिवराज सरकार को उखाड़ने को तैयार कांग्रेस

» बीजेपी के 18 साल के शासन को बता रही भ्रष्टाचारी

» प्रत्याशियों को चुनने को लेकर माथापच्ची जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस भाजपा की शिराज सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुकी है। जल्द वह प्रत्याशियों की सूची फाइनल कर देगी। उम्मीदवारों की सूची की घोषणा पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, उम्मीदवारों की पहली सूची नवरात्रि के पहले दिन जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि काफी सीटों पर चर्चा हुई और बहुत सकारात्मक चर्चा हुई...जिस प्रकार से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष समन्वय बना रहे हैं, यह दर्शाता है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश में एक अप्रत्याशित जीत की ओर कदम बढ़ा रही है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक की। इस मौके पर बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक बैठक में कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों के लिए लगभग 140 उम्मीदवारों की पहली सूची को अंतिम रूप दी गई है और यह सूची रविवार को जारी होने की संभावना है। सीईसी की बैठक के बाद विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के बाकी नामों पर चर्चा के लिए पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक भी होगी।

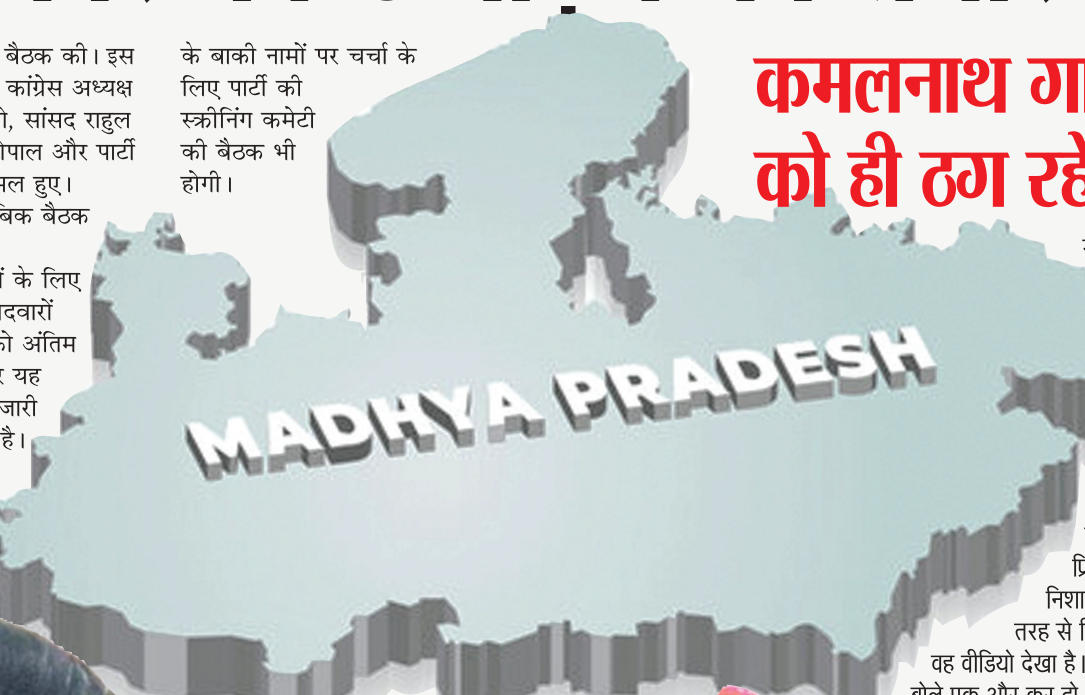

60 सीटों पर चर्चा जल्द जारी करेंगे लिस्ट : कमलनाथ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, अभी हमने लगभग 60 सीटों पर चर्चा की है, फिर से हमारी बैठक होगी, तभी लिस्ट फाइनल करेंगे। हम श्राद्ध के बाद अपनी सूची की घोषणा करेंगे। हम उस रफ्तार से चल रहे है कि 15 अक्टूबर को हम अपनी सूची की घोषणा कर सकें। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के माध्यम से, राज्य 230 विधानसभा क्षेत्रों से विधायकों का चुनाव करेगा। राज्य में एक चरण में चुनाव कराया जाएगा और मतगणना 3 दिसंबर को होगी। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 41.5 फीसदी वोट शेयर के साथ 114 सीटें जीतीं जबकि बीजेपी को 41.6 फीसदी वोट शेयर के साथ 109 सीटें मिलीं। पिछले राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में आई थी, और अनुभवी नेता कमल नाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 2020 में राज्य में एक राजनीतिक उथल-पुथल मच गई, जब तत्कालीन कांग्रेसी ज्योतिरादित्य सिंधिया, 22 वफादार विधायकों के साथ भगवा खेमे में चले गए। अल्पमत में आने के बाद कांग्रेस सरकार गिर गई और भाजपा ने सरकार बनाई और शिवराज सिंह चौहान दोबारा मुख्यमंत्री बने।

कमलनाथ गांधी परिवार को ही ठग रहे : शिवराज

गांधी परिवार ने पहले सब को ठगा था लेकिन कमलनाथ गांधी परिवार को ही ठग रहे हैं। ये कहना है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का। उन्होंने आज अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कमलनाथ और गांधी परिवार दोनों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने प्रियंका गांधी के मंडला दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि कल जिस तरह से प्रियंका से घोषणाएं करवाई गईं । मैंने वह वीडियो देखा है। कई घोषणाएं कर के वे बैठ गईं। ये बोले एक और कर दो। वोट के लिए इस तरह से झूठ बुलवाना ठीक नहीं। इन्होंने पहले भी राहुल बाबा से कहलवा दिया था कि 10 दिन में कर्जा माफ नहीं तो 11 वें दिन मुख्यमंत्री बदल देंगे। ये जबरदस्ती कहलवा रहे हैं, पढ़ दो पढ़ दो लेना देना थोड़ी है। सीएम ने कहा कि कमलनाथ लगातार झूठ बुलवा रहे हैं। पहले राहुल गांधी से, फिर प्रियंका से लेकिन यह पब्लिक है सब जानती है। इनका पुराना वचन पत्र देख लें, वचन तो कई थे, लेकिन इन्होंने कहा था सारे स्तर के बच्चों को गणवेश, पाठ्य पुस्तक, अन्य पठन की उच्च कोटि की सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराएंगे। लेकिन इन्होंने मामा जो लैपटॉप दे रहा था, वो लैपटॉप देना बंद कर दिया, साइकिलें बंद कर दीं, मेधावी विद्यार्थी योजना ठंडे बस्ते में डाल दी। अरे बच्चों की फीस तक छीन ली, फीस तक नहीं भरवाई, अब कह रहे हैं नि:शुल्क भर देंगे।

शिव सेना यूबीटी भाजपा को देगी टेंशन

समाजवादी दलों के साथ दिखेंगे उद्धव, अन्य दलों के साथ नया मोर्चा बनाएगा उद्धव गुट, बीजेपी की की नींद उड़ी, इंडिया गठबंधन को मिलेगी मजबूती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के बीजेपी को बड़ी टेंशन देने की तैयारी में हैं। राज्य में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार जहां विधायकों की अयोग्यता से लेकर आरक्षण और जाति जनगणना के मुद्दों पर असहज महसूस नहीं कर रही है तो वहीं अब उद्धव नई राजनैतिक चुनौती देने जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना एक बार फिर से राज्य में समाजवादी दलों के साथ दिखेगी। इससे शिवसेना (यूबीटी) को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उद्धव ठाकरे 15 अक्टूबर को समाजवादी परिवार की बैठक में चुनिंदा 150 लोगों के साथ एक अहम बैठक करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में धर्म निरपेक्ष दलों के साथ गठबंधन का रोडमैप तय होगा। यह यह बैठक रविवार को मुंबई के एमआईजी क्लब में रखी गई है। पार्टी के विधायकों की बगावत से कमजोर पड़ी उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) राज्य स्तर पर समाजवादी दलों के नया मोर्चा बनाएगी तो वहीं दूसरी तरफ इंडिया अलांयस को महाराष्ट्र में वास्तविक तौर पर मजबूती मिलेगी।

ऐसा कई दशक बाद होगा, जब राज्य में शिवसेना और समाजवादी दल फिर से एक साथ आएंगे। उद्धव ठाकरे राज्य में समाजवादी जनता परिवार के सभी दलों और संगठनों से बातचीत करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक में समाजवादी-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन पर मुहर लग जाएगी।

बाला साहब की राह पर उद्धव

शिवसेना के गठन के बाद से अब तक उसने 22 बार धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ गठबंधन किया है। शिवसेना ने जॉर्ज फर्नांडिस की पार्टी के गठबंधन किया था। शिवसेना ने 1968 में मुंबई नगर निगम का पहला चुनाव लड़ा। इसमें उसने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त प्रजा समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया। इतना ही नहीं शिवसेना पूर्व में रिपब्लिकन पार्टी के साथ भी गठबंधन किया था। इतना ही नहीं एक चुनाव में शिवसेना ने मुस्लिम लीग के उम्मीदवार का समर्थन किा था। पार्टी के टूटने के बाद उद्धव ठाकरे के एक बार फिर पिता बाला साहब ठाकरे के नक्शेकदम पर चलने जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टियों के राज्य में 8 प्रतिशत वोट

जनता दल यूनाइटेड के नेता और एमएलसी कपिल पाटिल के अनुसार 24 अगस्त को पुणे में समाजवादी विचारों में विश्वास रखने वाले जनता परिवार के दलों और संगठनों की एक बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद दूसरी बैठक मुंबई में हो रही है। समाजवादी विचारधारा वाले दल और शिव सेना (यूबीटी) इंडिया गठबंधन में एक साथ हैं। महाराष्ट्र में एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमति बनी है। समाजवादी पार्टियों के राज्य में कम से कम 7 से 8 प्रतिशत वोट हैं। इस वोट बैंक के साथ आने से इंडिया अलायंस के साथ-साथ राज्य में बीजेपी विरोधी महाविकास आघाड़ी गठबंधन मजबूत होगा। पाटिल ने कहा कि समाजवादी परिवार की बैठक में चुनिंदा 150 लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसमें वरिष्ठ बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक नेता शामिल हैं। इसमें श्रमिक नेता शशांक राव, जॉर्ज फर्नांडिस के सहयोगी असीम राव, जनता दल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निहाल अहमद की बेटी सुभाष मालगी, शान-ए-हिंद विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युद्ध से तो पिछड़ती जाएगी पूरी दुनिया

"इस्राइल पर शनिवार को हुए आतंकी हमले का पहला राउंड इस मायने में पूरा हुआ माना जा सकता है कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हमास ने कहा है कि उसका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है और अब वह युद्धविराम पर बातचीत के लिए तैयार है। इस कथित युद्धविराम प्रस्ताव का हालांकि कोई अर्थ नहीं था। स्वाभाविक ही इस्राइल ने उसे खारिज कर दिया। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़े शब्दों में कहा कि युद्ध शुरू तो हमास ने किया है, लेकिन खत्म हम करेंगे।

पूरी दुनिया आजकल युद्ध की विभिषिका से जूझ रही है। अभी पिछले दो सालों से रुस व यूक्रेन युद्ध का समापन हुआ नहीं कि इजरायल व हमास के बीच चल रही लड़ाई ने विश्व को पीछे कर दिया। रुसी व यूक्रेन की जिद की वजह विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है कई देशों में महंगाई चरम पर है जिससे आम जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। अब हमास व इजरायल विवाद से भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान होने का अंदेशा है। कुल मिलाकर इस तरह के युद्ध खत्म होने चाहिए क्योंकि इससे मासूम व निर्दोष लागों को जान-माल दोनों का नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, हमास के आतंकी हमले के बाद अब पहला राउंड पूरा हो चुका है। इसके माने जाने के पीछे हमास का वो बयान है जिसमें उसने कहा है कि उनका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है। वहीं, इजरायल ने इस मामले में इजरायल ने इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस्राइल पर शनिवार को हुए आतंकी हमले का पहला राउंड इस मायने में पूरा हुआ माना जा सकता है कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हमास ने कहा है कि उसका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है और अब वह युद्धविराम पर बातचीत के लिए तैयार है। इस कथित युद्धविराम प्रस्ताव का हालांकि कोई अर्थ नहीं था। स्वाभाविक ही इस्राइल ने उसे खारिज कर दिया। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़े शब्दों में कहा कि युद्ध शुरू तो हमास ने किया है, लेकिन खत्म हम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार को फोन पर उनसे बात की और कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में उनके साथ है। बहरहाल, यहां दो सवाल उठते हैं। एक तो यह कि ऐसा क्या मकसद था इस आतंकी हमले का, जिसके बारे में हमास दावा कर रहा है कि वह पूरा हो गया। दूसरा यह कि लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने के इजरायल के संकल्प का आने वाले दिनों में बाकी पूरी दुनिया के लिए क्या मतलब हो सकता है? जहां तक पहले सवाल की बात है तो अगर इस हमले को आम फलस्तीनियों की लड़ाई से जोड़कर देखा जाए तो भी एक आतंकी कार्रवाई फलस्तीनी मकसद को आगे बढ़ाने या उसके लिए दुनिया में सहानुभूति पैदा करने का काम नहीं कर सकती। गाजापट्टी में हमास का प्रभाव जरूर है, लेकिन वहां 23 लाख लोग रह रहे हैं जिनका एक बड़ा हिस्सा हमास की गतिविधियों और योजनाओं से अनजान होगा। ऐसे बेकसूर लोग जितनी बड़ी संख्या में इजराइली कार्रवाई के शिकार होंगे, मानवाधिकार का सवाल उतने बड़े रूप में उभरेगा और फलस्तीनियों के लिए सहानुभूति भी बढ़ेगी। लेकिन सबकी बेहतरी इसी में है कि तनाव और संघर्ष को तत्काल रोक दिया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मौद्रिक उपायों से अर्थव्यवस्था को गति

मधुरेन्द्र सिन्हा

अक्तूबर माह की अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मुद्रास्फीति के खतरे को दरकिनार रखते हुए रेपो रेट न बढ़ाने का फैसला किया। रेपो रेट के न बढ़ने से ब्याज दरें स्थिर रहीं। यह एक बड़ा कदम है जो तेजी से बढ़ती हुई इकोनॉमी को बढ़ावा देगा। इससे पहले भी रिजर्व बैंक ने रेपो रेट न बढ़ाने का फैसला किया था और इसलिए इस बार यह लग रहा था कि मुद्रास्फीति को थामने के लिए रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाएगा। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और उसका एक बड़ा कारण यह था कि भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू खपत के कारण बढ़ रही है। घरेलू मांग बढ़ने के कारण मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्थिरता आई है। लेकिन कंपनियों की समस्या है कि वे न केवल ऊंची मुद्रास्फीति दर बल्कि बढ़ी हुई ब्याज दरों से परेशान थीं। ऐसे में रिजर्व बैंक ने समझदारी भरा एक कदम उठाया और रेपो रेट को यथावत ् रहने दिया।

यहां पर एक बात समझने की है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को थामने के लिए ब्याज दरों का सहारा लेते हैं और उसे बढ़ाते रहते हैं। भारत में भी यह प्रयोग किया जाता है। एक आक्रामक मौद्रिक नीति के तहत रेपो रेट बढ़ाना एक सामान्य-सी बात रही है। अमेरिका और पश्चिम के देशों ने इसे खूब आजमाया लेकिन वहां ब्याज दरें इतनी बढ़ गईं कि कारोबारियों को आर्थिक मोर्चे पर जूझना पड़ा। इसका नतीजा यह हुआ कि न तो मुद्रास्फीति घटी और न ही इकोनॉमी संभल पाई। इस परीक्षण की असफलता को देखकर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक ने भी अपने पैर खींच लिये। आलोचकों का मानना है कि यह कदम प्रतिगामी है और इससे नुकसान हो रहा है। इसलिए फेडरल रिजर्व भी ब्याज दरें बढ़ाने से बच रहा है। समस्या है कि पहले तो वहां शून्य ब्याज दरों पर काम हो रहा था जो अब बढ़कर 4 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। इससे कारखानों में निवेश करके मुनाफा कमाना घाटे का सौदा होता जा रहा है। अब स्थिति यह होती जा रही है कि वहां महंगाई तो है ही, इकोनॉमी भी फिसल रही है। स्थिति इस सीमा तक जा रही है कि फेडरल रिजर्व को बड़े पैमाने पर नोट छापने पड़ सकते हैं जिसका दूरगामी असर होगा।

बहरहाल, भारत में भी रिजर्व बैंक ने रेपो रेट न बढ़ाकर एक विराम दिया है क्योंकि उसका मानना है कि छह बार रेपो रेट बढ़ाने के बावजूद भारत में महंगाई पर काबू नहीं पाया जा सका। दरअसल भारत में महंगाई हमेशा रोजमर्रा के सामानों की कीमतों से जुड़ी रहती है। इनमें सब्जियां, फल, चावल-दाल वगैरह जैसी रोजमर्रा की चीजें होती हैं। इनकी कीमतें सीजन के हिसाब से होती हैं। सूखा या फिर अतिवृष्टि

से इनकी कीमतें बढ़ जाती हैं। टमाटर एक छोटा-सा उदाहरण है। ऐसे में रेपो रेट में बढ़ोतरी करके समाधान नहीं ढूंढ़ा जा सकता। इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था जैसे विदेशों से आयात, सस्ती दरों पर वह सामान उपलब्ध कराना आदि होता है। इन सबसे ही कीमतें काबू में आती हैं न कि ब्याज दरें बढ़ाने से। यह बात रिजर्व बैंक को अच्छी तरह से समझ में आ गई है। जब सुब्बा राव रिजर्व बैंक के गवर्नर थे तो महंगाई रोकने के लिए उन्होंने एक दर्जन से भी ज्यादा बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी जिसका धक्का कारोबार को लगा। कारखानों में उत्पादित वस्तुओं की लागत बढ़ गई और महंगाई घटने की बजाय बढ़ने लगी। यह प्रयोग बाद में भी किया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। रिजर्व बैंक ने अप्रैल, 2022 से लेकर मई, 2023 तक छह बार रेपो रेट बढ़ाया लेकिन महंगाई उसके द्वारा रखी गई सीमा के बाहर ही रही। इसलिए अब इस अस्त्र का रिजर्व बैंक संभल कर इस्तेमाल कर रहा है। ऊंचे रेपो रेट के अपने नुकसान हैं और इसका फायदा जल्दी देखने को नहीं मिलता। दरअसल भारत की अर्थव्यवस्था में नकदी का बहुत बड़ा योगदान है। अभी भी आधी अर्थव्यवस्था नकद पर चलती है, ऐसे में रेपो रेट बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने के बारे में सोचना गलत है। एक फॉर्मल इकोनॉमी में तो यह संभव होता रहा है लेकिन भारत में नहीं। अमेरिका और यूरोप में भी इस समय रेपो रेट के इस्तेमाल और उसके फायदों पर बहस छिड़ी हुई है। आलोचक कहते हैं कि मुद्रास्फीति रोकने के लिए फेडरल रिजर्व के पास ले-देकर एक हथौड़ा है जिसे वह चलाता रहा है चाहे उसका कितना ही बुरा असर क्यों न पड़े।

अमेरिका में इस समय कम वेतन पाने वाले इसका असर झेल रहे हैं क्योंकि मुद्रास्फीति तो नियंत्रण में आ नहीं रही है, उलटे उनकी नौकरियां जा रही हैं। आप टीवी या अन्य मीडिया माध्यमों पर अमेरिका में होमलेस लोगों की दुर्दशा देख सकते हैं कि कैसे गरीबों की कतारें एक वक्त का भोजन पाने के लिए लगी हुई हैं। दरअसल अमेरिका में बड़ी-बड़ी कंपनियां मुद्रास्फीति का बहाना लेकर अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाती जा रही हैं। उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है क्योंकि अमेरिका एक पूंजीवादी देश है। और यही समस्या की असली जड़ है न कि व्यवस्था में धन की अधिकता। धन के प्रवाह को सीमित करना अब रेपो रेट के जरिये संभव नहीं होता दिख रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट न बढ़ाकर बड़ा फैसला किया है। यह छोटे और मंझोले उद्योगों को राहत देगा। इस समय देश को मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसमें बड़े उपक्रमों से कहीं ज्यादा मंझोले और लघु उपक्रमों की भूमिका होगी क्योंकि ये कम पूंजी में ज्यादा रोजगार दे सकते हैं। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत को 7-7.50 फीसदी की दर से बढ़ना चाहिए तभी वह आर्थिक महाशक्ति बन पायेगा। इसके लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। एक बढ़िया इन्फ्रास्ट्रक्चर और उद्योगों के उपयुक्त माहौल इसके लिए जरूरी है। इसके लिए कम लागत पर पूंजी की उपलब्धता उतनी ही जरूरी है। इस दृष्टि से देखा जाए तो रेपो रेट में बढ़ोतरी न करना एक सही कदम है।

यातनाओं से मुखर महिला हकों की आवाज

कविता संघाइक

उन्होंने उस दकियानूसी समाज के बीच में रहकर महिलाओं के हक-ओ-हुकूक की लड़ाई लड़ी जहां जुबां से दो बोल भी खिलाफत में कहना मौत के घाट उतार दिए जाने का कारण बन जाए। महिला अधिकारों के लिए जान की भी परवाह न करने वाली इस महिला का जज्बा ही है कि वे एक-दो बार नहीं, पूरे 13 बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। गलत को गलत कहने वाली यह महिला अब भी जेल में हैं। ईरान की रहने वाली नरगिस मोहम्मदी इन दिनों सुर्खियों में इसलिए हैं कि उन्हें शांति के लिए विश्व के सर्वोच्च नोबेल पुरस्कार से नवाजे जाने की घोषणा हुई है। शांति का पुरस्कार जीतने वाली वह 19वीं महिला हैं। ईरान की यह महिला पत्रकार और एक्टिविस्ट नरगिस मोहम्मदी बड़े लंबे अरसे से ईरान में महिलाओं की आजादी और उनके अधिकारों के लिये लड़ रही हैं। ईरान में छोटी-छोटी बातों पर मौत की सजा दिये जाने के खिलाफ लड़ने वाली नरगिस भी मौत के साये में जी रही हैं।

नरगिस का जन्म कुर्दिस्तान यानी ईरान के जंजन शहर में 21 अप्रैल, 1972 को हुआ था। उनके पिता एक किसान थे और मां राजनीतिक परिवार से थीं। वर्ष 1979 में ईरान में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद उनके चाचा और 2 चचेरे भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था कि वे तब 9 साल की थीं। ईरानी सरकार रोज किसी न किसी कैदी को फांसी देती थी, जिसका नाम टीवी पर बताया जाता था। एक दिन टीवी पर उनके भाई का नाम भी बताया गया। यही वह पल था जब नरगिस ने देश में मृत्युदंड को खत्म करने के लिए अभियान चलाने का फैसला लिया।

मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस के संघर्ष की कहानी बहुत लंबी है। उनके जीवन में पग-पग पर कठिनाइयां रही हैं। छोटी-सी कठिनाई में भी कोई आम इंसान अपने कदम खींच लेता है, लेकिन नरगिस तो जैसे किसी और मिट्टी की बनी हैं तभी तो 13 बार गिरफ्तार हो चुकी हैं, पांच बार दोषी ठहरायी जा चुकी हैं और 31 साल की जेल और 154 कोड़ों की सजायाफ्ता हैं। नरगिस को अंतिम बार जहां से गिरफ्तार किया गया वह कार्यक्रम उन लोगों की याद में आयोजित किया गया था जो लोग 16 नवंबर, 2019 में तेहरान में सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में सरकारी गोली का निशाना बने थे। इधर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा हुई, उधर परिवार तो खौफजदा है ही। परिवार तो उम्मीद ही खो चुका है कि कभी जेल से रिहा भी हो पाएंगी। नरगिस कहती हैं कि वे जितनी यातनाएं देंगे मैं उतनी मजबूत बनूंगी। नरगिस मोहम्मदी ने यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान छात्र समाचारपत्र में महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करने वाले लेख लिखे और राजनीतिक छात्र समूह ताशक्कोल दानेशजुयी रोशनगरान की दो बैठकों में हिस्सा लिया। इस कारण वह कट्टरपंथी शासन के निशाने पर आ गयीं। मोहम्मदी एक पर्वतारोहण समूह में भी सक्रिय थीं, लेकिन उनकी राजनीतिक गतिविधियों के कारण बाद में उन्हें पर्वतारोहण में शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया गया। नरगिस ने न्यूक्लियर फिजिक्स की पढ़ाई की है और कुछ समय के लिए बतौर इंजीनियर काम भी किया। पढ़ाई के दौरान ही नरगिस की मुलाकात पत्रकार ताघी रहमानी से हुई। वे खुद भी पत्रकारिता से जुड़ीं और कई अखबारों, पत्रिकाओं के लिये लेख लिखे। वर्ष 1999 में, उन्होंने साथी व सुधार-समर्थक पत्रकार ताघी रहमानी से शादी की, जो कुछ ही समय बाद पहली बार गिरफ्तार किए गए थे। कुल 14 साल की जेल की सजा काटने के बाद रहमानी 2012 में फ्रांस चले गए, लेकिन मोहम्मदी ने अपना मानवाधिकार कार्य जारी रखा। मोहम्मदी और रहमानी के जुड़वां बच्चे हैं। 18 महीनों से नरगिस की अपने बच्चों से बात तक नहीं हुई है।

नरगिस पहली बार 1998 में गिरफ्तार की गई थीं। तब उन पर ईरान सरकार की निंदा का आरोप लगा था। एक साल में ही उन्हें छोड़ दिया गया था। इसके बाद 2010 में डिफेंडर ऑफ ह्यूमन राइट्स सेंटर की सदस्य होने पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने उन्हें तलब किया और फिर उनकी गिरफ्तारी हुई। जुलाई, 2011 में मोहम्मदी को दोबारा राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने, डिफेंडर ऑफ ह्यूमन राइट्स में काम करने और सरकार के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाने के आरोप में फिर जेल में डाला गया। इस बार नरगिस को 11 साल की सजा मिली, हालांकि बाद में यह सजा घटाकर 6 साल की गई। तब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय उनके समर्थन में आ गया था, जिसके दबाव में ईरान सरकार को 2012 में उन्हें छोड़ना पड़ा।

अपनी किताब व्हाइट टॉर्चर में नरगिस ने एकांतवास की भयावहता के बारे में लिखा है। नरगिस लिखती हैं कि जेल वह जगह है जहां आप तक रोशनी की एक किरण तक नहीं पहुंचती। यहां चार सफेद दीवारों और छोटे दरवाजे के अंदर आपको केवल अपनी आवाज़ सुनाई देती है, बाहर से हवा भी यहां का रुख़ नहीं करती। जेल में कैद होने के बावजूद नरगिस ने अपना काम नहीं छोड़ा। वो जेल के भीतर से कैदियों की स्थिति, हिंसा और महिलाओं के प्रति अत्याचार जैसे कई मुद्दों पर लिखती रही हैं। अप्रैल, 2022 में उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार को जेल के अंदर से ही फोन पर एक गुप्त इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने कहा था, 'मैं हर दिन खिड़की के सामने बैठती हूं, हरियाली को देखती हूं और एक स्वतंत्र ईरान का सपना देखती हूं।'

यूं तो दुनिया पहले से नरगिस के संघर्षों को जानती रही है, लेकिन आज नोबेल पुरस्कार से नवाजे जाने की खबर जब सामने आई तो दुनियाभर के लोगों, खासतौर से महिला अधिकारों के लिए लड़ने वालों ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की। उम्मीद की जानी चाहिए कि नरगिस जल्दी ही सलाखों से बाहर आएंगी।

शुभ मुहूर्त *इस बार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत रविवार 15 अक्टूबर 2023 से हो रही है। 24 अक्तूबर को विजयदशमी का त्योहार मनाया जाएगा। शारदीय नवरात्रि की कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त 15 अक्टूबर, 2023 सुबह 06 बजकर 27 मिनट से 10 बजकर 14 मिनट तक रहेगा।*

ऊॅ दुर्गाय नम :

इस बार मां का हाथी पर होगा आगमन

हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस बार मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो हम सबके लिए शुभ फलदायी होगा। इस साल की शारदीय नवरात्रि को आप अपने लिए और भी शुभ बना सकते है। शरद नवरात्रि त्योहार पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कई क्षेत्रों में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। बंगाल, बिहार और उड़ीसा के पूर्वी हिस्सों में, दुर्गा पूजा को सेलीब्रेट किया जाता है। इस त्योहार के दौरान, जिसे शारदीय नवरात्रि या महा नवरात्रि के रूप में भी जाना जाता है, भक्त देवी दुर्गा और उनके नौ अवतारों को पूजा-अर्चना करते हैं। दसवें दिन को दशमी के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि साल में चार नवरात्रि होती हैं, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शरद नवरात्रि सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाई जाती है।

शारदीय नवरात्रि का महत्व

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। आश्विन मास में शरद ऋतु का प्रारंभ हो जाता है, इसलिए इसे शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। यह पर्व मां दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना व व्रत करने से साधक के सभी दुख-संताप दूर होते हैं। साथ ही मां दुर्गा की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। नौ दिनों के दौरान, देवी दुर्गा अपने भक्तों के साथ रहने के लिए पृथ्वी पर आती हैं। कई भक्तजन इस दौरान मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन करने से बचते हैं। कुछ भक्त इन नौ दिनों में व्रत भी रखते हैं जिसमें सात्विक भोजन खाया जाता है।

घट स्थापना विधि

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन घटस्थापना के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। शारदीय नवरात्रि में कलश स्थापना या घट स्थापना का विशेष महत्व माना जाता है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन या कलश स्थापना के बाद ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश स्थापना करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही मां दुर्गा के आशीर्वाद से धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती। कलश स्थापना के दौरान इसमें नारियल भी रखा जाता है। इससे घर के सदस्यों को आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इससे पूजा बिना किसी बाधा के पूरी होती है।

नवरात्रि में क्यों नहीं खाते लहसुन-प्याज

हिंदू धर्म में नवरात्रि ही नहीं बल्कि किसी भी व्रत में लहसुन-प्याज का सेवन वर्जित माना जाता है। शुरुआत से ही लहसुन-प्याज को तामसिक प्रकृति का भोज्य पदार्थ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसके सेवन से अज्ञानता और वासना में बढ़ोतरी होती है। वहीं इसका दूसरा कारण है कि लहसुन-प्याज जमीन के नीचे उगते हैं। इनकी सफाई के दौरान कई सूक्ष्मजीवों की मृत्यु भी होती है। इसलिए भी इन्हें व्रत के दौरान खाना अशुभ माना जाता है। ये अशुद्ध श्रेणी में आते हैं। इसके पीछे पौराणिक कथा है जिसके अनुसार, समुद्र मंथन में अमृत कलश निकला था। जिसे प्राप्त करने के लिए देवताओं और असुरों की बीच युद्ध छिड़ गया था। उस दौरान भगवान विष्णु ने असुरों और देवताओं में अमृत को समान रूप से बांटने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। लेकिन देवताओं की पंक्ति में राहु-केतु ने बैठकर अमृत पान कर लिया। जब भगवान विष्णु को इस बात का पता चला तो उन्होंने सुदर्शन चक्र से राहु-केतु का सिर धड़ से अलग कर दिया। कहा जाता है इससे निकली खून की बूंदें पृथ्वी पर पड़ीं और इन्हीं बूंदों से लहसुन-प्याज की उत्पत्ति हुई। इसलिए किसी भी पूजा पाठ में लहसुन-प्याज का सेवन करने से परहेज किया जाता है।

हंसना मना है

रुपेश : पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा : क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश : हां जी हां.. पापा : जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा : क्यों टेंशन मे हो? सरदार : यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर : आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता : कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा- वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा- आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

कहानी — गलत आदत

एक बार बादशाह अकबर किसी एक बात को लेकर बहुत परेशान रहने लगे थे। जब दरबारियों ने उनसे पूछा, तो बादशाह बोले कि हमारे शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत पड़ गई है, अकबर की परेशानी सुनकर किसी दरबारी ने उन्हें एक फकीर के बारे में बताया, जिसके पास हर मर्ज का इलाज था। बादशाह ने उस फकीर को दरबार में आने का निमंत्रण दिया। जब फकीर दरबार में आया, तो बादशाह अकबर ने उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया। फकीर ने बादशाह की पूरी बात सुनकर परेशानी को दूर करने का वादा किया और एक हफ्ते का समय मांगा। जब एक हफ्ते के बाद फकीर दरबार में आया, तो उन्होंने शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत के बारे में प्यार से समझाया और उसके नुकसान भी बताए। फकीर की बातों का शहजादे पर बहुत प्रभाव पड़ा और उसने अंगूठा न चूसने का वादा भी किया। सभी दरबारियों ने यह देखा, तो बादशाह से कहा कि जब यह काम इतना आसान था, तो फकीर ने इतना समय क्यों लिया। आखिर उसने क्यों दरबार का और आपका समय खराब किया।' बादशाह दरबारियों की बातों में आ गए और उन्होंने फकीर को दंड देने की ठान ली। सभी दरबारी बादशाह का समर्थन कर रहे थे, लेकिन बीरबल चुपचाप था। बीरबल को चुपचाप देख, अकबर ने पूछा, 'तुम क्यों शांत हो बीरबल?' बीरबल ने कहा कि जहांपनाह गुस्ताखी माफ हो, लेकिन फकीर को सजा देने के स्थान पर उन्हें सम्मानित करना चाहिए और हमें उनसे सीखना चाहिए।' तब बादशाह ने गुस्से में कहा कि तुम हमारे फैसले के खिलाफ जा रहे हो। आखिर तुमने ऐसा सोच भी कैसे लिया, जवाब दो।'तब बीरबल ने कहा कि महाराज पिछली बार जब फकीर दरबार में आए थे, तो उन्हें चूना खाने की बुरी आदत थी। आपकी बातों को सुनकर उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने पहले अपनी इस गंदी आदत को छोड़ने का फैसला लिया फिर शहजादे की गंदी आदत छुड़ाई।' बीरबल की बात सुनकर दरबारियों और बादशाह अकबर को अपनी गलती का एहसास हुआ और सभी ने फकीर से क्षमा मांगकर उसे सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आप खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे। व्यवसायिक कौशल को उच्च करने में महती प्रगति के योग रहेंगे। आज आप कामकाज में लगे रह सकते हैं।

वृषभ आज का दिन सकारात्मक परिणाम की प्राप्ति करायेगा। आज आपको कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है या किसी पारिवारिक संपत्ति का विवाद सुलझ सकता है।

मिथुन आज आपका आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा। व्यापार में अचानक हुए धन लाभ से आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। इस राशि के छात्र आज अपना प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे।

कर्क आज कोई बड़ी परेशानी खत्म हो सकती है। अध्यात्म की ओर आपका रुझान पहले से अधिक रहेगा। नए काम की योजना बन सकती है।

सिंह आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने किसी भी काम को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना है, नहीं तो वह लंबा टल सकता है।

कन्या आज लक्ष्य प्राप्ति के लिए कोशिश करेंगे। जिसका परिणाम बेहतर होगा। आप पहले से जिन योजना को लागू करने को सोच रहे थे आज उन्हें लागू करने का समय आ गया।

तुला आज कलाकार और साहित्यकारों को कोई विशेष अवसर मिल सकता है। कारोबार में जो लोग कई दिनों से परेशान चल रहे हैं उनको नई उम्मीद की किरण अवश्य मिलेगी।

वृश्चिक आज का दिन फलदायक रहेगा। यदि आप अपने व्यापार के लिए किसी व्यक्ति से सलाह लेना चाहते हैं, तो ध्यान रहे कि किसी अनुभवी या किसी वरिष्ठ व्यक्ति से ही ले।

धनु आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ऑफिस से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आज परिवारवालों के साथ टाइम स्पेंड करने से आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

मकर आज आपकी खुशियों में वृद्धि होगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। व्यापार वृद्धि के योग हैं। नए काम मिल सकते हैं।

कुम्भ आज का दिन भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आज यदि आप किसी भी नए कार्य को करेंगे,तो उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

मीन आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आप कुछ नयी प्लानिंग बनाएंगे जिससे बिजनेस में प्रमोशन के नये रास्ते मिलेंगे। आज अपनी व्यक्तिगत साज-सज्जा पर ध्यान दें।

बॉलीवुड | मन की बात

रोहित शेट्टी ने ग्रैंड फिनाले में कंटेस्टेंट्स से लिया बदला, चुन-चुन कर किया रोस्ट

रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 का ग्रैंड फिनाले होने वाला है। शो ने 14 कंटेस्टेंट्स के साथ अपना सफर शुरू किया था। एक-एक कर खिलाड़ी छटते गए और अब जल्द KKK 13 को अपना विनर मिलने वाला है। खतरों के खिलाड़ी 13 में टीवी, म्यूजिक और फिल्म समेत लगभग एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सभी कोने से सेलेब्स आए। अब इनमें से कोई एक इस सीजन का विनर बन खतरों का खिलाड़ी कहलाएगा। खतरों के खिलाड़ी 13 का ग्रैंड फिनाले 14 अक्टूबर को टेलीकास्ट किया जाएगा। इससे पहले शो के प्रोमो रिलीज किए जा रहे हैं। हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 13 के कुछ नए प्रोमो जारी किए गए है, जिनमें रोहित शेट्टी कंटेस्टेंट्स को बुरी तरह रोस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के हालिया प्रोमो में रोहित शेट्टी ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि शो के बाकी सभी सीजन से ख्ख्र 13 एकदम अलग था। अब तक शो में कंटेस्टेंट्स आते थे और स्टंट करने के लिए जान लगा देते थे, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ किया कंटेस्टेंट्स के चक्कर में होस्ट को खुद स्टंट करना पड़ा। रोहित शेट्टी ने ये बाद नायर बनर्जी, अर्चना गौतम और ऐश्वर्या शर्मा की ओर इशारा करते हुए कहा। रोहित शेट्टी इसके बाद सभी कंटेस्टेंट्स के लिए अवॉर्ड्स की कुछ कैटेगरी लेकर आए। इनमें पहली कैटेगरी थी कि शो का सबसे फट्टी खिलाड़ी कौन था। इस ताज से होस्ट ने अंजुम फकीह को नवाजा। इसके अलावा अर्चना गौतम को एंटरटेनर ऑफ द शो का टाइटल मिला। खतरों के खिलाड़ी 13 के फाइनलिस्ट की बात करें तो शो में अब पांच कंटेस्टेंट्स बचे हुए हैं। इनमें शिव ठाकरे, रश्मीत कौर, ऐश्वर्या शर्मा, अर्जित तनेजा और डिनो जेम्स का नाम शामिल है। इनमें से कोई एक शनिवार को खतरों के खिलाड़ी 13 की ट्रॉफी और प्राइज मनी अपने नाम करेगा।

इंडस्ट्री में जगह बनाने में काफी समय लगा : पाणि

अभिनेत्री पाणि कश्यप म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म प्यार है तो है में करण हरिहरन के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में, अपने अब तक के सफर के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके जैसे बाहरी लोगों को फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। प्रदीप आरके चौधरी की निर्देशित प्यार है तो है 20 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री पाणी ने बॉलीवुड में बड़ी सफलता पाने की चुनौतियों के बारे में बात की है। पाणी ने कहा, बुनियादी चुनौतियां हमेशा मौजूद रहेंगी। मुझे लगता है कि हर किसी के पास चुनौतियों का अपना सेट होता है। चाहे वह बाहरी व्यक्ति हो या इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाला व्यक्ति हो। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे यहां अपनी जगह बनाने में काफी समय लगा है। मैं अपनी तरह की चुनौतियों का सामना कर रही हूं,

बॉलीवुड | मसाला

लेकिन मैं कभी भी पूरी आउट साइडर या इन साइडर वाली बातों पर यकीन नहीं करती हूं। मुझे लगता है कि अगर आप प्रतिभाशाली हैं तो आपका काम खुद बोलेगा। बेशक, बाहरी लोगों को ध्यान आकर्षित करने और यह समझने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है कि कि इंडस्ट्री में कैसे काम किया जाता है। आप जिस तरह की भूमिकाएं करना चाहते हैं, उसे पाना और निर्माताओं में वह विश्वास पैदा करना भी चुनौतीपूर्ण है। मैंने अभी शुरुआत ही की है। पाणी ने इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के बारे में बात करते हुए कहा, मैं हमेशा से एक अभिनेत्री बनना चाहती थी क्योंकि मुझे यह पेशा पसंद है और मुझे कई जिंदगियों को निभाना काफी अच्छा लगता है। यह मेरे लिए आसान नहीं था क्योंकि मुझे नहीं पता था कि इंडस्ट्री में कैसे शुरुआत करूं या इसमें कैसे प्रवेश करूं। फिल्म प्यार है तो है के निर्देशक प्रदीप आर.के. चौधरी हैं। इस फिल्म में करण हरिहरन और प्राणी कश्यप के अलावा अभिषेक दुहान, वीन हर्ष और रोहित चौधरी की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह फिल्म अगले महीने 20 अक्टूबर 2023 को रिलीज हो रही है।

धक धक के प्रमोशन पर की गईं टिप्पणियों से निराश हैं तापसी, बोलीं-

मेरी फिल्म जवान नहीं

तापसी पन्नू ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में खास जगह बनाई है। अब उन्होंने फिल्म धक धक के जरिए बतौर प्रोड्यूसर शुरुआत की है। रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख और संजना सांघी अभिनीत यह फिल्म आज रिलीज हुई है। इस फिल्म के प्रमोशन के तरीके को लेकर तापसी पन्नू ने निराशा जाहिर की है। तापसी पन्नू ने कहा कि आज भी पूरा सिस्टम बड़े स्टार्स के इर्द-गिर्द घूमता है। इस दौरान उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म जवान का भी जिक्र किया। तापसी ने कहा, फिल्म का ट्रेलर रिलीज से चार दिन पहले जारी होने के बाद मुझे ऐसी चीजें सुनने को मिलीं कि ये महिला प्रधान फिल्म है। सिर्फ कुछ दर्शक आएंगे। इतने शो नहीं मिलेंगे, बाद में ओटीटी पर यह फिल्म आनी ही है तो क्यों तनाव लेना? इसके बाद तापसी ने शाहरुख खान की फिल्म जवान का हवाला दिया, जिसका ट्रेलर भी रिलीज से कुछ दिन पहले ही जारी हुआ था। तापसी पन्नू ने कहा, एक्सवाईजेड का ट्रेलर भी देर से आया था, लेकिन मेरी फिल्म जवान नहीं है। छोटी फिल्मों को एक निश्चित प्रोत्साहन की जरूरत है। लोग उन्हें स्वीकार करने या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन छोटी फिल्मों को सामने आने का सही मौका चाहिए। इस बारे में रत्ना पाठक शाह ने भी फिल्म के प्रमोशन को लेकर तापसी पन्नू के जुझारूपन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी फिल्म जो ऑफ बीट हो और जिसमें बड़े स्टार्स न हों, उसका प्रमोशन करना वाकई बहुत मुश्किल होता है। रत्ना पाठक ने आगे कहा कि वह तापसी की बातों से सहमत हैं कि ऐसी फिल्म को थोड़ा वक्त और प्रोत्साहन चाहिए होता है। बता दें कि फिल्म धक धक का निर्देशन तरुण डुडेजा ने किया है और उन्होंने ही यह फिल्म लिखी है। फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों की चार महिलाओं के जीवन पर आधारित हैं, जो खारदुंग ला के लिए बाइकिंग पर निकलते हुए भावनाओं, रोमांच और आत्म-खोज से भरी एक यात्रा तय करती हैं।

धक धक के जरिए बतौर प्रोड्यूसर की है शुरुआत

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे भुतहा गांव

कुत्ते से लेकर इंसान तक सभी भूत!

भूत-प्रेतों में क्या आप यकीन करते हैं? जिस तरह से दुनिया में आस्तिक और नास्तिक हैं, उसी तरह कुछ लोग भूतों पर यकीन करते हैं तो कई लोगों को ये सिर्फ मन का वहम लगते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जिनके मुताबिक़, भूत-प्रेत जैसा कुछ होता नहीं है, तो शायद यूके के इस गांव में जाने के बाद आपके विचार बदल जाएंगे। यूके में बसे एक छोटे से गांव में आपको सड़कों पर घूमते कुत्ते, इंसान सहित ऐसे कई लोग मिल जाएंगे जिनकी मौत कई साल पहले हो चुकी है। जी हां, हम बात कर रहे हैं इंग्लैंड के केंट में बसे Pluckley नाम के गांव की। इस गांव को दुनिया में सबसे डरावना और भुतहा माना जाता है। इस गांव में कुल 12 ऐसी जगहें हैं, जहां भूत खुलेआम घूमते दिखाई देते हैं। सबसे हैरत की बता ये है कि इस गांव के भुतहा होने की बात खुद गिनीज बुक रिकॉर्ड में भी दर्ज है। जिस रिकॉर्ड बुक में आने के लिए लोगों को काफी मेहनत करनी पड़ती है, जिसमें नाम लिखवाने के लिए सबूत देना पड़ता है, उसने भी मान लिया कि वाकई इस गांव में भूत घूमते हैं। इस गांव में कई अडवेंचरस लोग छुट्टियां मनाने आते हैं। इसे स्टेकशन के लिए जाना जाता है। इस गांव में बारह ऐसे स्पॉट्स हैं, जहां लोगों ने दिन या रात, किसी भी टाइम भूत देखा है। अगर आपने इन गलियों में किसी से बात की है, या किसी ने आपको टोका है तो जरुरी नहीं की वो जिंदा होगा। कई साल पहले मर चुके लोग भी यहां आपसे बात कर सकते हैं। बेहद खूबसूरत इस गांव में आपको सुविधा की सारी चीजें मिल जायेंगी। इसमें चर्च, स्कूल, रेस्त्रां और कई दुकानें शामिल है। ये गांव भुतहा है, इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को है। लेकिन इसके बाद भी वो यहां छुट्टी मनाने आते हैं। इस गांव का इतिहास काफी पुराना है। यहां वर्ल्ड वॉर 1 के कई सैनिक रहते थे। कहा जाता है कि ये सैनिक मौत के बाद अपने परिवार से मिलने यहां वापस भूत बनकर आए और फिर लौटे नहीं। इस गांव को मोस्ट हॉन्टेड का टैग गिनीज बुक ऑफ़ रिकॉर्ड से भी मिल चुका है। गांव में ऐसे बारह लोग हैं, जो भूत बनकर किसी को भी नजर आ जाते हैं। इसमें एक कुत्ता भी शामिल है।

औरत के छूने से शख्स को एलर्जी, 55 साल से खुद को बाड़े में कर रखा है कैद

दुनिया एक मर्द और औरत के मिलन से ही आगे बढ़ती है। जब दोनों एक-दूसरे से मिलते हैं, पास आते हैं तब एक नई जिंदगी का निर्माण होता है। आदम और हवा ने इसी तरह दुनिया को आगे बढ़ाया था। लेकिन क्या होता अगर आदम को हवा से चिढ़ होती? जाहिर सी बात है कि इसके बाद इंसानों की प्रजाति आगे बढ़ ही नहीं पाती। आज की डेट में दुनिया में ऐसे कुछ लोग हैं जो किसी ख़ास वजह से ब्रम्हचर्य रहने की कसम खाते हैं। भारत में तो ऐसा पौराणिक समय से होता आ रहा है। लेकिन अब इनकी संख्या काफी कम हो गई है। सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही ब्रम्हचारी की खूब चर्चा हो रही है। कैलिटेक्स नज़मुईता नाम के इस शख्स ने आजतक महिलाओं से कभी सम्पर्क नहीं किया। 71 साल के इस शख्स ने अपने घर के चारों तरफ 15 फ़ीट का एक फेन्स बना रखा है। वो खुद को उसी के अंदर कैद करके रखता है। सब 71 साल के हो चुके कैलिटेक्स को महिलाओं से डर लगता है। इस कारण ही उसने खुद को अपने घर में कैद कर रखा है ताकि उसे किसी महिला से मिलना ना पड़े। कैलिटेक्स अब 71 साल का हो चुका है। लेकिन अपनी इतनी लंबी जिंदगी में उसने कभी किसी महिला से सम्पर्क नहीं किया। उसकी ना कोई पत्नी है ना कोई प्रेमिका। उसे महिलाओं से काफी डर लगता है। महिलाओं को दूर रखने के लिए उसने अपने घर के चारों तरह पंद्रह फ़ीट की एक दीवार बना रखी है। पिछले 55 साल से वो इस घर के अंदर रहता है। कैलिटेक्स को महिला और पुरुष के बीच के रिश्ते से ही डर लगता है। उसने बीते पचपन साल से बाहर की दुनिया नहीं देखी है। खुद को पचपन साल से कैद रखने की वजह खुद कैलिटेक्स ने बताई। उसने खुलासा किया जब वो छोटा था और घर पर कोई महिला आती थी तो उसे काफी डर लगता था। उसने अपने इस डर को खत्म करने के लिए समस्या से दूरी बनाने का फैसला किया। उसने खुद को महिलाओं से बिलकुल कट ऑफ़ कर लिया। लेकिन जिस महिला से उसे डर लगता है, उनकी वजह से ही कैलिटेक्स जिंदा भी है। उसके गांव की महिलाएं ही उसके लिए राशन ले कर आती हैं। साथ ही ये समझते हुए कि कैलिटेक्स को उनसे डर लगता है, कोई भी महिला उसके घर के अंदर जाने की कोशिश नहीं करती।

शिवराज सरकार का भ्रष्टाचार, अनाचार, दुराचार व घोटालाराज जग जाहिर : राजपूत

कमलनाथ को 'ठग' बताने पर भाजपा पर बरसे कांग्रेस प्रवक्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को ठग बताया था। सीएम के इस बयान पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए शिवराज को घोटालाराज बताया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की। जहां उन्होंने कहा कि रोज सोचता हूं कि मप्र के 18 साल के शिवराज शासनकाल का कोई तो अच्छा काम होगा, जिस विषय पर आप साथियों से वार्ता करूंगा। लेकिन मैं हर रोज गलत साबित हो जाता हूं।

हर रोज शिवराज सरकार का भ्रष्टाचार, अनाचार, दुराचार खबर की शक्ल में सामने आ जाता है। अब आज आदिम जाति कल्याण विभाग का भ्रष्टाचार सामने आ गया है, जिसमें 10 करोड़ रु. का घोटाला हुआ है। सात साल से सह-आयुक्त रहे आठ अफसरों पर न्यायालय ने भी भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश जारी किया है, जिसमें न्यायालय ने कहा कि नियम विरुद्ध उन्होंने खाते से ही आहरण राशि जारी रखी।

राजपूत ने आरोप लगाते हुए कहा कि क्या मुख्यमंत्री का सभी तरह के भ्रष्टाचारियों को संरक्षण प्राप्त है। अधिकारी खुलेआम नियम विरुद्ध खाता खोलते थे और उससे राशि खुद ही निकालते थे। शिवराज जी ये पैसा किसको जाता था। कहीं ये पैसा सिंधिया वाले गद्दारों को खरीदने के काम तो नहीं आता था। राजपूत ने कहा कि

शिवराज जी आपके शासन में तो आदिवासियों पर अत्याचार की और आदिवासी विभाग में अत्याचार की पराकाष्ठा हुई है।

मप्र में सबसे अधिक आदिवासी समाज के लोग अनादिकाल से रह रहे हैं। किंतु पिछले 18 सालों की शिवराज सरकार में आदिवासी वीभत्स यातना, अमानवीय प्रताड़ना और आत्मा को छलनी करने वाले कुकृत्यों के शिकार हैं। और शिवराज सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। सत्ता के नशे में

जानवरों के खाने लायक भी नहीं अनाज

कभी शिवराज सरकार आदिवासियों के जिलों में ऐसा अनाज बांटती है जो जानवरों के खाने लायक भी नहीं है। कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या शिवराज सरकार में आदिवासी जानवरों से भी बदतर हो गए हैं? कभी शिवराज सरकार आदिवासी भाइयों के 3.22 लाख से अधिक वनाधिकारी पट्टे निरस्त करती है और आदिवासियों को दर-ब-दर भटकने पर मजबूर करती है। आदिवासी समाज अपने स्वाभिमान के लिए जल, जगंल, जमीन की लड़ाई लड़ रहा है। इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है।

मदमस्त भाजपा नेताओं ने आदिवासी समाज के खिलाफ नरपिशाची कृत्यों की सारी हदें पार कर दी हैं। कभी आदिवासी समाज के लोगों को अपमानित करने के लिए सरेआम निर्ममता से उनके ऊपर पेशाब करते हैं और उसका वीडियो बनाकर वायरल भी करते हैं। कभी आदिवासियों के खिलाफ प्रतिशोध की आग में जल रही शिवराज सरकार विदिशा में आदिवासियों पर गोली दागते हैं और आदिवासी समाज के युवक को मौत के घाट उतारते हैं।

अपने मंत्रिमंडल के भ्रष्टाचार की जांच क्यों नहीं कराती मोदी सरकार : सुशील शुक्ला

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बीजेपी और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के बयान पर पलटवार किया है। राजीव भवन में पत्रवार्ता में बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व की रमन सरकार और अपने मंत्रिमंडल के भ्रष्टाचार की जांच क्यों मोदी सरकार क्यों नहीं कराती है? रमन सिंह के और उनके मंत्रियों के 1 लाख करोड़ के घोटाले पर क्यों चुप है रविशंकर प्रसाद। 36 हजार करोड़ के नान घोटाले और 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले और पनामा पेपर घोटाले पर मोदी सरकार जांच क्यों नहीं करवाती? एआईसीसी संचार विभाग की कोआर्डिनेटर राधिका खेरा ने कहा कि आज रविशंकर प्रसाद छत्तीसगढ़ पधारे हैं, उनका स्वागत है। पितृपक्ष अभी चल रहा है। दावा करते हुए कहा कि हार सामने देखकर उनको उनके पूर्वज दिखाई दे रहे हैं और जोगी जी बहुत याद आ रहे हैं जो उनके बी टीम के मुखिया थे। ब़ी याद आ रही है उनको। 3 दिसंबर को उनका काल आता हुआ दिखाई दे रहा है। वो जोगी जी याद आ रहे जब रमन सिंह को 20 साल पहले सरकार मिली

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद के बयान पर पलटवार

थी विरासत में कांग्रेस में। नक्सलवाद दक्षिण बस्तर के 2 ब्लॉक तक सीमित था। आरोप लगाते हुए कहा कि 15 साल में रमन सिंह के कुशासन में नक्सलवाद 14 जिलों में फैला दिया। किसी भी प्रदेश के मुखिया के लिये बड़ी शर्म की बात है कि उनका खुद का गृह क्षेत्र और जहां से वो चुनाव लड़ते हैं वो नक्सल क्षेत्र से घिर गये। बात करते है कि यहां पर आतंक चल रहा है। जो उनको विरासत में मिला उनको वो संभाल नहीं पाये। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के हवाले कर दिया। उनको सवाल पूछने का कोई अधिकार नहीं। 5 साल पहले तक जब कांग्रेस की सरकार नहीं थी, जब रमन सिंह की सरकार थी तो छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पहचाना जाता था। आज छत्तीसगढ़ की पहचान होती है आज धान से, धनी किसान के नाम से जाना जाता है।

फोटो : सुमित कुमार

भक्ति कल से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के लिए दुर्गा प्रतिमाओं को मूर्तिकारों ने अंतिम रूप दे दिया है, लोगों ने आज से ही मूर्तियां स्थापित करने के लिए घर ले जानी शुरू दी हैं।

प्रियंका गांधी की शिकायत निर्वाचन आयोग को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्य प्रदेश के मंडला जिले की चुनावी आमसभा में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की घोषणा के मामले में भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने चुनाव निर्वाचन आयोग को शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि 12 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के मंडल जिले में सभा के दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने हर विद्यार्थी को महीने में पांच सौ रुपये से डेढ़ हजार रुपये तक दिए जाने की घोषणा की।

आचार संहिता लगने के बाद उनकी यह घोषणा प्रलोभन की श्रेणी में आती है। शिकायतकर्ता वकील पंकज वाधवानी ने कहा कि जिस योजना का उल्लेख प्रियंका गांधी ने किया, वह सरकारी स्कूल के बच्चों के

लिए है कि या प्राइवेट स्कूलों के लिए भी है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है। प्रियंका ने सिर्फ मतदान को प्रभावित करने के लिए यह घोषणा की।

वाधवानी ने शिकायत में प्रियंका के भाषण की रिकार्डिंग व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नई घोषणा आचार संहिता के दौरान नहीं की जा सकती है। यह आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने निर्वाचन आयोग को आनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आयोग से इस मामले में जांच कर एक्शन लिए जाने की मांग भी की। आपको बता दे कि प्रियंका ने आदिवासी जिले मंडला में स्कूली बच्चों के लिए घोषणा अपने भाषण के दौरान की थी। 6 सितंबर को वे धार जिले के राजगढ़ में भी आई थी, लेकिन तब उन्होंने इस योजना का जिक्र नहीं किया था।

भाजपा प्रत्याशी के मंच से अपशब्द कहने पर मामला दर्ज

अमरवाड़ा। मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा विधानसभा सीट की भाजपा प्रत्याशी मोनिका शाह बट्टी के मंच से गोंडवाना के नेताओं के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले कथित युवक पर हर्रई पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। टीआई सोनल गुप्ता के मुताबिक, इस मामले को लेकर अमरवाड़ा के सालीवाड़ा निवासी राजकुमार सरयाम पिता समदलाल सरयाम ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि 10 अक्टूबर को हर्रई में मोनिका शाह बट्टी की आमसभा में खुलसान तामिया निवासी राजेंद्र पिता नारायण धुर्वे ने आदिवासी समाज के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। उस शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 125 और 504 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। उसमें कथित युवक राजेंद्र धुर्वे यह कहते नजर आ रहा है कि गोंडवाना के नाम पर कोई प्रत्याशी गांव में आता है तो उसे गांव में मत घुसने दो। इसी दौरान उसने अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया।

हाईवोल्टेज भारत-पाक मुकाबले पर सबकी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। क्रिकेट के दो दिग्गजों, भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला आज (14 अक्टूबर, शनिवार) अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाने वाला है। भारत और पाकिस्तान दोनों ने अपने वनडे विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत अपराजित रिकॉर्ड के साथ की, जिससे अहमदाबाद में उनके आगामी मुकाबले में और भी उत्साह बढ़ गया।

भारत बनाम पाकिस्तान आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 मैच के लिए मौसम का पूर्वानुमान दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए महत्वपूर्ण रुचि है। जबकि अतीत में बारिश ने भारत बनाम पाकिस्तान मैचों

हर तरफ हो रही जीत की दुआ, बारिश का डर

में रुकावट पैदा की है, अहमदाबाद के लिए नवीनतम मौसम पूर्वानुमान एक पूर्ण मैच के लिए अधिक अनुकूल लगता है। एक्यूवेदर के मुताबिक, आज अहमदाबाद में बारिश की संभावना न के बराबर है। अहमदाबाद में मौसम विज्ञान केंद्र ने मैच के घंटों के दौरान हल्की बारिश के साथ बादल छाए रहने और कुल मिलाकर शुष्क स्थिति की भविष्यवाणी की है। तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है।

अहमदाबाद में क्रिकेट फैंस का जमावड़ा

अहमदाबाद में क्रिकेट फैंस का जमावड़ा है। सभी भारत की जीत की दुआ कर रहे हैं। गौतम गंभीर ने कहा कि पाकिस्तान की टीम भी एक अच्छी टीम है। उनके पास मैच विजेता भी हैं। मुझे यकीन है कि भारतीय टीम सतर्क रहेगी। उन्हें 100 ओवर तक क्वालिटी क्रिकेट खेलना होगा, तभी वे यह मैच जीत सकते हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे बोले- मेरी शुभकामनाएं, भारत जीतेगा। एक क्रिकेट फैन का कहना है, विराट कोहली के नाम से डरता है पाकिस्तान...आज ठोकेगा शतक...। एक अन्य क्रिकेट प्रशंसक ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं, 2011 में मुझे मैच के टिकट नहीं मिले थे लेकिन आज मैं इस मैच के लिए यहां हूं..।

यूपी में पुलिस का भय खत्म, कानून व्यवस्था पर उठा सवालिया निशान

» छात्रा ने किया छेड़छाड़ का विरोध तो बेरहमी से पीटा

» शोहदों की बर्बरता- स्कूल में छात्रों ने लात-घूंसों से पीटकर जमीन पर पटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। यूपी में लड़कियों से छेड़छाड़ के मामले रुकने का नहीं ले रहा है। सबसे बड़ी और चौंकाने वाली बात यह कि छेड़छाड़ की पीड़िता एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के परिवार से जुड़ी है। ताजा मामला नोएडा के सेक्टर-100 स्थित एक स्कूल में शुक्रवार को छेड़छाड़ का विरोध करने पर पांच छात्रों ने 11वीं की नाबालिग छात्रा को स्कूल परिसर में बेरहमी से पीटा। जमीन पर गिरने के बाद भी आरोपी छात्र उस पर लात घूसे बरसाते रहे। आरोप है कि पहले भी 9 अक्टूबर को आरोपियों ने छात्रा से छेड़छाड़ की थी।

घटना के बाद ई-मेल के जरिए इस घटना की शिकायत प्रिंसिपल से की गई थी। उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सेक्टर-39 थाना पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाने के बाद मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हालांकि पुलिस का दावा है कि मारपीट एक ही नाबालिग ने की है। पीड़िता छात्रा के पिता ने पुलिस को शिकायत दी है कि 9 अक्टूबर को उनकी नाबालिग बेटी से उसकी कक्षा में पढ़ने वाले पांच छात्रों ने छेड़छाड़ की थी। इसकी शिकायत प्रिंसिपल से कर दी गई थी। इसके बावजूद आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे आरोपियों का हौंसला बढ़ गया। छात्रा के पिता ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर उनकी बेटी ने कॉल कर जानकारी दी कि पांचो आरोपी छात्र फिर से छेड़छाड़ कर रहे हैं।

पहले भी हो चुकी वारदात, लापरवाही से जा चुकी है छात्रा की जान

यह पहला मामला नहीं है जब शिक्षण संस्थान प्रबंधन ने छात्रा या अभिभावक की शिकायत पर लापरवाही बरती है।
दादरी थाना क्षेत्र के शिव नादर विवि में छात्रा स्नेहा की 18 मई को उसके सहपाठी अनुज ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद अनुज ने भी वीडियो बनाकर खुदकुशी की थी। छात्रा स्नेहा अपनी जान को खतरा बताते हुए विवि प्रबंधन को ईमेल कर चुकी थी। लेकिन विवि प्रबंधन ने उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया।
अब एक बार फिर इसी तरह की लापरवाही के कारण छात्रा पर स्कूल में हमला किया गया।

पिता ने प्रिंसिपल से की शिकायत

इसके बाद तत्काल छात्रा के पिता ने प्रिंसिपल को कॉल कर आरोपियों पर कार्रवाई के लिए कहा। आरोप है कि आरोपी छात्रों ने छात्रा की पिटाई शुरू कर दी। छात्रा जमीन पर गिर पड़ी तब भी आरोपी उसे बेरहमी से पीटते रहे। अन्य छात्रों ने हस्तक्षेप कर छात्रा को बचाया। इस घटना के दौरान स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्रा को अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रिंसिपल को ईमेल के जरिए शिकायत करने के बाद क्या कार्रवाई की गई, इसकी भी जांच की जा रही है।

कर्ज चुकाने के लिए पड़ोसी ने आठ साल के बच्चे को मार डाला

बदायूं। बदायूं के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के कस्बा मुड़िया धुरेकी से आठ साल के छात्र का अपहरण पड़ोसी ने बेटे के साथ मिलकर मकान का कर्ज उतारने के लिए किया था। भेद खुलने के डर से उसने मासूम की हत्या कर दी। हालांकि पुलिस ने जो खुलासा किया है कि उसमें कुकर्म के बाद हत्या करने की बात कही है। मुड़िया धुरेकी निवासी व्यक्ति पंजाब में काम करता है। उसके तीन बेटे और एक बेटी है। उसका सबसे छोटा बेटा कक्षा तीन में पढ़ता था। वह 11 अक्टूबर को स्कूल से आया। उसके बाद मोहल्ले के कुछ बच्चों ने उसे बुला लिया। दो घंटे बाद पड़ोसी सद्दीक उनके घर आया और परिवार वालों से बच्चे के बारे में पूछा, तब उसकी खोजबीन शुरू की गई। उस दौरान तक उन्हें कोई शक नहीं था। वह शाम तक उसे तलाश करते रहे। 12 अक्टूबर की सुबह तक उसका कुछ पता नहीं चला तो वह फैजगंज बेहटा थाने पहुंचे। फिर सद्दीक ने कहा कि उसके नंबर पर एक कॉल आई है और वह कह रहे हैं कि बच्चा उनके कब्जे में हैं। वह फिरौती मांग रहे हैं। जब सद्दीक बताए नंबर पर बच्चे के बड़े भाई ने कॉल लगाई तो वह खुद हैरान रह गया। उधर से 4.20 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। छात्र के परिवार वालों ने सद्दीक को घर बैठा लिया और पुलिस को सूचना दे दी, जिससे पुलिस ने सद्दीक को पकड़ लिया। बाद में छिबऊकला इलाके से सिद्दीक का बेटा शाहरुख भी पकड़ा गया।

पंजाब पुलिस ने किये लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकी गिरफ्तार

» दो आईईडी-हैंड ग्रेनेड, डेटोनेटर-बैटरी भी बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे आतंकी मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। अमृतसर पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ एक संयुक्त अभियान में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दोनों जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। डीजीपी गौरव यादव ने यह जानकारी दी।

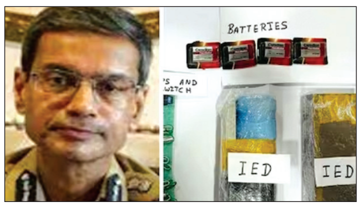

उन्होंने बताया कि आरोपियों से दो आईईडी, दो हैंड ग्रेनेड, दो मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, 24 कारतूस, एक टाइमर स्विच, आठ डेटोनेटर और चार बैटरी बरामद की गई हैं। इस आतंकी मॉड्यूल को लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय सदस्य फिरदौस अहमद भट संभालता है। उसकी शह पर ही पंजाब को त्योहारों में दहलाने की प्लानिंग की गई थी। पंजाब में आने वाले दिनों में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की प्लानिंग चल रही थी।

भाजपा बहुत बड़ी कलाकार: ललन

» पूछा- मोदी जी यह बताइए कि आपने किस स्टेशन पर चाय बेची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री जी की पूरी पार्टी तो कलाकार है ही, वह खुद भी बहुत बड़े कलाकार हैं। उन्होंने 2014 में कहा कि मैं अति पिछड़ा का बेटा हूं।

ललन सिंह ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री जी आपमें साहस है तो बताइए आप किस समाज में पैदा हुए? जिस समाज में आप

पैदा हुए वह पिछड़ा वर्ग कब घोषित हुए। 1999 में वह समाज पिछड़ा वर्ग घोषित हुआ तो आप अति पिछड़ा कैसे हो गए। गुजरात में कोई अति पिछड़ा वर्ग नहीं है। बिहार ही ऐसा राज्य है जहां पिछड़ा वर्ग से अति पिछड़े वर्ग कर्पूरी ठाकुर जी ने अलग किया। बिहार में अति पिछड़े वर्ग के लिए न्याय का प्रारंभ किया।

फोटो: सुमित कुमार

सीएम योगी ने किया मिशन शक्ति 4.0 का आगाज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास से नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के चौथे चरण का आगाज महिला सशक्तिकरण रैली को रवाना किया, जो राजधानी के विभिन्न पड़ाव से होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। रैली के जरिये केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020 में महिला संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसकी थीम थी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन।

प्रयागराज में सामने आया हृदय विदारक दृश्य

महिला के शव को डंडे से लटकाकर ले जा रहे थे श्मशान

» लोगों का दिल पसीजा की आर्थिक मदद

» अंतिम संस्कार कराने जा रहे थे पिता और पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में हृदय विदारक मामला सामने आया है। यहां झूंसी में महिला की मौत के बाद पिता और पति उसके शव को बांस में लटकाकर अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे। वह जहां से भी गुजर रहे थे उधर लोग उन्हें आश्चर्य भरी नजरों से देख रहे थे। रास्ते से गुजर रहे कुछ राहगीरों का दिल पसीज गया।

उन्होंने रोककर उनसे जानकारी ली और कुछ पैसों की

मदद कर ई-रिक्शा से पार्थिव शरीर को गंगा घाट तक भेजने की व्यवस्था की। मौके पर झूंसी पुलिस भी पहुंच गई। इस बीच किसी ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। जो तेजी से वायरल हो गया। करीब 30 सेकेंड के वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लोग एक डंडे पर कपड़ा बांधकर उसमें शव रखकर ले जा रहे हैं। इसी बीच उन पर कुछ लोगों की नजर पड़ती है। पूछने पर वो अपना दर्द बयां करते हैं। इस पर कुछ लोग उनकी मदद को आगे भी आते हैं।

वनवासी समाज के हैं लोग

वाराणसी के रहने वाले वनवासी समाज के दो लोग बांस में महिला के शव को लटकाकर दारागंज गंगा घाट ले जा रहे थे। यह दोनों महिला के पति और पिता हैं। पत्तल बेचकर जीवन यापन करते हैं। महिला की मौत के बाद इनके पास इतने पैसे भी नहीं थे कि वाहन से शव को ले जा सकें। झूंसी में नीबी गांव में रहकर पत्तल बेचकर जीवन यापन करते हैं। महिला के पति नखड़ू ने बताया कि पत्नी कई दिनों से बीमार थी, जिसकी मृत्यु शुक्रवार को हो गई। पैसा की व्यवस्था नहीं होने मजबूरी में बांस में बांध कर दारागंज पुल के नीचे बसे रिश्तेदारों के पास ले जाकर अंतिम संस्कार करना चाहते थे। मृतका अनीता (26) के पिता मैनेजर ने बताया कि पैसा नहीं होने के कारण मजबूरी में पैदल बांस में बांधकर ले जाना पड़ रहा था। मुंशी का पूरा निवासी सुभाष यादव और ओम प्रकाश ने तत्काल 500-500 रुपये की मदद की। इस दौरान भीड़ जुट गई। सभी ने कुछ न कुछ मदद किया। सूचना पाकर पहुंची झूंसी पुलिस ने जानकारी हासिल की। झूंसी थाने के इंस्पेक्टर नवीन सिंह ने ई रिक्शा से पार्थिव शरीर को दारागंज घाट भेजवाने की व्यवस्था की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।